पं. दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर

लोकार्पण

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

के कर-कमलों द्वारा

25 सितम्बर, 2020 । लखनऊ

"हम अतीत के गौरव से अनुप्राणित हैं, परन्तु उसको भारत के राष्ट्र-जीवन का सर्वोच्च बिन्दु नहीं मानते हैं। हम वर्तमान के प्रति यथार्थवादी हैं, किन्तु उससे बंधे नहीं हैं। हमारी आंखों में भविष्य के स्वर्णिम स्वप्न हैं, किन्तु हम निद्रालु नहीं हैं बल्कि उन स्वप्नों को सच करने वाले कर्मयोगी हैं। अनादि, अतीत, अस्थिर, वर्तमान और चिरंतन भविष्य की कालजयी संस्कृति के हम पुजारी हैं। विजय का विश्वास है, तपस्या का निश्चय लेकर चलें।"

— पं. दीनदयाल उपाध्याय

सूचना विभाग

नई दिल्ली की गणतंत्र दिवस परेड में
उत्तर प्रदेश की झांकी को मिले पुरस्कार के साथ मा0 मुख्यमंत्री

प्रचार-प्रसार के नये आयाम

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग जनता और सरकार के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान का एक महत्वपूर्ण सेतु है। अपनी इस भूमिका के प्रति सूचना विभाग अपने उद्भव काल से अब तक अत्यन्त सक्रिय और सजग रहा है। सूचना क्रांति के इस युग में संचार माध्यम सशक्त व आधुनिक तकनीक पर आधारित हो गये हैं, ऐसे में सूचना विभाग का कार्य, दायित्व एवं महत्व और बढ़ गया है। जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने की

गति तेज हो गयी है। साथ ही जनता का फीडबैक त्वरित गति से सरकार तक पहुंचाने का कार्य भी किया जा रहा है। इसके लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का प्रयोग किया जा रहा है।

अपने स्वाभाविक कार्य के लिए सूचना विभाग द्वारा एक वृहद् नेटवर्क प्रयोग किया जाता है, जिसमें मुख्यमंत्री सूचना परिसर, मुख्यमंत्री इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेल, राजभवन सूचना परिसर, सूचना ब्यूरो, राज्य सूचना केन्द्र–नई दिल्ली, सोशल मीडिया हब, प्रेस प्रभाग, प्रशासन प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभाग, प्रकाशन प्रभाग, क्षेत्र प्रचार प्रभाग, विज्ञापन प्रभाग, फोटो–फिल्म प्रभाग, गीत एवं नाट्य प्रभाग, प्रदर्शनी प्रभाग, आउटडोर पब्लिसिटी प्रभाग, निरीक्षा प्रभाग, फिल्म बन्धु, पी0आर0 एवं क्रिएटिव विंग, संदर्भ शाखा शामिल हैं।

विभिन्न संचार माध्यमों से समाज के आखिरी व्यक्ति तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए पत्र सूचना शाखा, मुख्यमंत्री सूचना परिसर से प्रेस–विज्ञप्तियां, लेख, फीचर आदि जारी किये जाते हैं। पारम्परिक जन–संचार माध्यम गीत एवं नाट्य तथा प्रदर्शनी के जरिए सुदूर ग्रामीण अंचल तक क्षेत्रीय लोक शैलियों के माध्यम से जनहितकारी संदेश पहुंचाये जाते हैं। फिल्म–शो, एल.ई.डी., होर्डिंग के माध्यम से आम जन को विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया जाता है। फोटो फिल्म द्वारा नियमित रूप से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की फोटो–फिल्म, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को प्रकाशन व प्रसारण हेतु प्रेस को उपलब्ध कराया जाता है। प्रेस प्रभाग द्वारा पत्रकारों के कल्याणार्थ अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को राज्य परिवहन निगम की

बसों में निःशुल्क यात्रा एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

प्रकाशन प्रभाग द्वारा उत्तर प्रदेश वार्षिकी, सूचना डायरी, सूचना पंचांग और विकासपरक पत्रिका 'उत्तर प्रदेश संदेश', हिन्दी साहित्यिक पत्रिका 'उत्तर प्रदेश' मासिक, उर्दू अदब के लिए 'नया दौर', सूचना विभाग के दस्तावेज़ी महत्व के लोकप्रिय नियमित प्रकाशन किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार के 100 दिन, 6 माह, 1 वर्ष, डेढ़ वर्ष, 2 वर्ष, ढाई वर्ष, 3 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास कार्यों, योजनाओं और उपलब्धियों से सम्बन्धित प्रचार सामग्री का प्रकाशन किया गया। प्रकाशन प्रभाग द्वारा समय–समय पर महात्मा गांधी, दीनदयाल उपाध्याय आदि महापुरुषों के विचारों का प्रकाशन भी किया गया। **पहली बार विधानसभावार तीन वर्ष की उपलब्धियों का प्रकाशन भी प्रभाग द्वारा कराया गया।**

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक चैनलों पर प्रसारित समाचारों की रिकार्डिंग को कम्प्यूटराइज्ड कर दिया गया है। सभी सैटेलाइट न्यूज चैनलों की मॉनिटरिंग एक साथ की जाती है। मुख्यमंत्री इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेल से इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स से फीडबैक एवं निरीक्षा प्रभाग से प्रिंट मीडिया से सम्बन्धित फीड बैक प्राप्त कर सक्षम स्तर को अवगत कराया गया एवं सरकार के पक्ष को प्रमुखता से जनता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली स्थित उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केन्द्र द्वारा जनसम्पर्क सहित प्रदेश सरकार के विकास

कार्यों, प्राथमिकताओं, योजनाओं और कार्यक्रमों के कवरेज का कार्य भी किया जाता है। प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पर्यटन तथा औद्योगिक विकास से जुड़े स्थलों का कवरेज प्रेस टूअर के माध्यम से कराया जाता है। फिल्म बन्धु द्वारा विगत 3 वर्षों में 38 फिल्मों को रु. 22.59 करोड़ का अनुदान दिया गया।

विज्ञापन प्रभाग द्वारा समय–समय पर सजावटी और वर्गीकृत विज्ञापन निर्गत किए जाते हैं। निरीक्षा शाखा द्वारा समाचार पत्रों की विषयवार कतरनों को प्रतिदिन माननीय मुख्यमंत्री, माननीय मंत्रीगण तथा सम्बन्धित विभाग के सचिवों को भिजवाये जाने की व्यवस्था है, जिससे कि मीडिया द्वारा प्रकाश में लाये गये विषयों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। राज्य सूचना केन्द्र, हजरतगंज तथा संदर्भ शाखा द्वारा पत्रकारों की सुविधा के लिए संदर्भ सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र प्रचार संगठन के अन्तर्गत 75 जनपदों में जिला सूचना कार्यालय संचालित हैं, जो स्थानीय स्तर पर शासन की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों का प्रचार–प्रसार करते हैं।

अन्त्योदय की दिशा में सरकार के कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विगत तीन वर्षों में मुख्यमंत्री सूचना परिसर द्वारा 4303 प्रेस विज्ञप्तियां, भाषण 1069 एवं 2882 संदेश तथा राजभवन सूचना परिसर से 980 प्रेस विज्ञप्तियां, 1508 संदेश, 693 भाषण आलेख उपलब्ध कराए गए।

सूचना ब्यूरो द्वारा हिन्दी की 18908 प्रेस विज्ञप्तियां, 3005 अंग्रेजी, 6837 उर्दू, 427 लेख, 250 सक्सेस स्टोरीज, 550 संदेश प्रसारित किए गए तथा 950 से अधिक प्रेस–वार्ताएं आयोजित करायी गयी। उत्तर प्रदेश के तीन बजटों का अंग्रेजी अनुवाद और प्रेस–ब्रीफिंग तैयार करायी गयी। 11 शासनादेशों के आलेख तैयार कराये गये और कोविड–19 सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रचार पुस्तिकाओं, पम्पलेट और समारोहों के लिए आधारभूत सामग्री उपलब्ध कराई गई।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभाग द्वारा 150 टी0वी0सी0/डॉक्युमेंट्री एवं 50 रेडियो जिंगल्स, प्रकाशन प्रभाग द्वारा 110 तरह के प्रकाशन, विज्ञापन प्रभाग द्वारा 641 सजावटी विज्ञापन, 485 इम्पैक्ट फीचर्स व एडवरटोरियल एवं 1,39,108 टेण्डर नोटिस, प्रदर्शनी प्रभाग द्वारा 1163 प्रदर्शनियां, आउटडोर पब्लिसिटी प्रभाग द्वारा 6096 एल.ई.डी. वैन संचालन, 1,72,000 होर्डिंग्स, 80,818 बैनर, 58,563 स्टैण्डी व 530 यूनीपोल प्रदर्शित हुए। फोटो–फिल्म प्रभाग द्वारा 2,82,000 फोटो एवं फिल्म कवरेज रिलीज हुये। गीत एवं नाट्य प्रभाग द्वारा 35,640 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सोशल मीडिया हब द्वारा ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम के माध्यम से 77,66,000 फॉलोअर्स को माननीय मुख्यमंत्री जी एवं

उत्तर प्रदेश सरकार की सूचनाओं से आबद्ध किया गया। 1000 से अधिक प्रेस वार्ताओं के साथ ही अनेक राज्य स्तरीय इवेंट आयोजित किये गये।

वर्तमान सरकार के गठन के बाद से प्रदेश में शांति एवं सुव्यवस्था स्थापित करने, किसानों को दुर्दशा और कर्ज के भंवर से निकालने, राज्य में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा पूंजी निवेश को बढ़ाकर राज्य में समृद्धि लाते हुए औद्योगिक कायाकल्प करने के ऐतिहासिक, महत्वपूर्ण एवं परिणामदायक प्रयासों को प्रदेश, राष्ट्र एवं विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का कार्य प्रदेश के सूचना विभाग द्वारा सफलता के साथ पूर्ण किया गया।

प्रदेश सरकार की नीतियों, योजनाओं, विकास कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने का लक्ष्य धारण करने वाले सूचना विभाग का यह सौभाग्य है कि उसके मुखिया स्वयं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी हैं।

19 मार्च, 2017 को वर्तमान सरकार के गठन के तत्काल बाद सूचना विभाग द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम से सरकार की नीतियों की ब्रांडिंग शुरू की गयी, जो अनवरत जारी है।

प्रदेश सरकार ने प्रथम कैबिनेट बैठक में ही 86 लाख से अधिक लघु एवं सीमान्त किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये के फसल ऋण मोचन का निर्णय लिया। **फसल ऋण मोचन योजना** के सम्बन्ध में जनता को जागरूक करने के लिए बड़ी संख्या में प्रचार–सामग्री मुद्रित कराकर गांव–गांव में वितरित कराई गई। इस सम्बन्ध में मुख्यालय स्तर एवं जनपद के सूचना

कार्यालयों के माध्यम से प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए लगातार समाज में जागरूकता लाने एवं सूचनाओं को संप्रेषित करने का अभियान चलाया गया।

वर्तमान सरकार के गठन से पूर्व असुरक्षा बोध से ग्रसित जनता को सुरक्षा की अनुभूति कराने के लिए मौजूदा सरकार द्वारा शपथ के दिन से ही अपराध के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाते हुए अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई प्रारम्भ की गयी। महिलाओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए **एंटी रोमियो अभियान** चलाया गया और अवैधानिक स्लाटर हाउस बन्द कराये गये। उपरोक्त वर्णित कार्यों से सम्बन्धित प्रचार–प्रसार व जागरूकता अभियान को सूचना विभाग द्वारा अनवरत चलाया गया।

अन्त्योदय दर्शन के शिल्पकार महापुरूष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म शताब्दी 25 सितम्बर, 2017 के अवसर पर जन्म शताब्दी समारोह के लिए सूचना विभाग को नोडल विभाग बनाया गया।

सूचना विभाग द्वारा अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रदेश के आमजन को **'अन्त्योदय और एकात्म मानववाद'** के दर्शन से परिचित कराने हेतु महापुरुष **पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के वांग्मय एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लिखित पुस्तक 'एक्ज़ाम वॉरियर्स' का वितरण कराया गया।** इसके साथ ही प्रत्येक जनपद में भारतीय संस्कृति के नवस्वरूप को प्रतिष्ठित कर राष्ट्र को नयी दिशा

दिखलाने का कार्य करने वाले **महान दार्शनिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन–दर्शन पर आधारित प्रदर्शनी** का आयोजन भी कराया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित सहित अन्य महानुभावों के लेखों के संग्रह को प्रकाशित कर पूरे प्रदेश में वितरण कराया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी पर उनके पैतृक ग्राम नगला चन्द्रभान में कार्यक्रम आयोजित कराया गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्वयं उपस्थित होकर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रति श्रद्धा–सुमन अर्पित किये।

पंडित बाल गंगाधर तिलक के अमर उद्घोष **''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है''** के 101 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर 30 दिसम्बर, 2017 को स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। सूचना विभाग को उसका नोडल विभाग बनाया गया।

सूचना विभाग द्वारा इस महत्वपूर्ण अवसर को अविस्मरणीय बनाने के लिए लखनऊ में एक वृहद् कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तिलक जी के पौत्र शैलेश तिलक और उनकी पत्नी, जो पुणे नगर की मेयर थीं, को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। तिलक जी के जीवन पर मराठी भाषा में प्रकाशित पुस्तक का हिन्दी अनुवाद का प्रकाशन कराया गया और उसका प्रदेशव्यापी वितरण सुनिश्चित किया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विधानसभा का 36 घंटे का निर्बाध विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में **सतत् विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)** के विभिन्न लक्ष्यों पर माननीय मुख्यमंत्री जी व माननीय मंत्रीगण द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये। इसका संकलन कर सूचना विभाग द्वारा पुस्तक प्रकाशित की गयी। इसके प्रचार–प्रसार किए जाने के साथ ही महात्मा गांधी से सम्बन्धित 2 पुस्तकों का प्रकाशन और सूचना विभाग द्वारा पूर्व प्रकाशित एक पुस्तिका का पुनर्प्रकाशन किया गया।

उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन 24 जनवरी, 2018 को पहली बार मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में भव्य रूप से किया गया। **'यूपी दिवस'** के आयोजन के लिए सूचना विभाग को नोडल विभाग बनाया गया। सूचना विभाग द्वारा प्रभावशाली ढंग से प्रचार–प्रसार कर उक्त आयोजन को सफल बनाया गया।

इस कार्यक्रम में प्रदेश की महान विभूतियों को सम्मानित किया गया और **'एक जनपद–एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना** को भी लांच किया गया। ओडीओपी योजना से लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिला। 'एक जनपद–एक उत्पाद' (ओडीओपी) की सफलता आज कई राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बनी है। सूचना विभाग द्वारा इस योजना का प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अतिरिक्त आउटडोर पब्लिसिटी के माध्यम से व्यापक प्रचार सुनिश्चित किया गया, जिससे देश–विदेश में इस महत्वपूर्ण योजना की ब्रांडिंग हुयी।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और पूंजी निवेश के इतिहास में एक नया अध्याय **'इन्वेस्टर्स समिट'** के रूप में जुड़ा, जिसकी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक की ब्रांडिंग की जिम्मेदारी सूचना विभाग ने सफलतापूर्वक निभायी। इसके लिए सूचना विभाग ने बैंगलुरू, अहमदाबाद, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण शहरों में आयोजित होने वाले रोड शो और कर्टेन–रेजर का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया।

पूंजी निवेशकों को उत्तर प्रदेश की विशेषताओं से अवगत कराने के लिए सूचना विभाग ने समस्त प्रचार माध्यमों का उपयोग कर व्यापक जनसम्पर्क सुनिश्चित किया। देश के सभी विमानपत्तनों पर होर्डिंग्स लगवाई गईं और सभी मीडिया संस्थानों को उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टमेंट करने से सम्बन्धित सकारात्मक जानकारियां उपलब्ध करायी गयीं, जिससे समूचे राष्ट्र में उत्तर प्रदेश की निवेश अनुकूल छवि बनी, परिणामतः इन्वेस्टर्स समिट के

दौरान 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश सम्बन्धी एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित होने का एक ऐतिहासिक रिकार्ड बना।

उत्तर प्रदेश की क्षमता और क्षितिज की ब्रांडिंग की कथा आगे बढ़ाते हुए **'प्रथम ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी'** में इसे और प्रभावशाली बनाया गया। इस कार्यक्रम का वृहद् प्रचार–प्रसार सूचना विभाग द्वारा किया गया, फलतः निवेशकर्ताओं द्वारा प्रदेश में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश सुनिश्चित कराये जाने में सफलता प्राप्त हुई।

प्रदेश में पूंजी निवेश के दूसरे महत्वपूर्ण चरण **'द्वितीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी'** के ऐतिहासिक आयोजन एवं अन्य माध्यमों से 2.5 लाख करोड़ रुपये के पूंजी निवेश को सुनिश्चित किया गया, जिसके कारण राज्य में 33 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए। इस कार्यक्रम और उपलब्धि का व्यापक प्रचार–प्रसार सूचना विभाग द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति का पालना है। भारतीय संस्कृति के सर्वसमावेशी आध्यात्मिक भाव को प्राचीनतम काल से प्रकट कर रहे कुम्भ का आयोजन प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में एक निश्चित समयावधि में होता है।

वर्तमान सरकार ने कुम्भ–2019 को भारत की एक महान सांस्कृतिक विरासत के रूप में विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। कुम्भ जो दुर्घटनाओं एवं अव्यवस्थाओं के लिए जाना जाता था, उसे माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 'स्वच्छ कुम्भ एवं सुरक्षित कुम्भ' के रूप में आयोजित करके अपने कुशल नेतृत्व का परिचय दिया।

राज्य के बाहर से आने वाले पर्यटकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुन्दर प्रयागराज नगर एवं कुम्भ दर्शन हो, इसकी व्यापक व्यवस्था की गयी, **'पेन्ट माई सिटी अभियान'** में सार्वजनिक

स्थानों–संरचनाओं पर दृश्यावलियों की पेंटिंग करायी गयी। सुरक्षा के काम को अत्यन्त प्रभावशाली बनाने के लिए **ऑर्टीफिशियल इन्टेलीजेन्स** और ड्रोन कैमरों की व्यवस्था करायी गयी तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं को विश्वस्तरीय पर्यटक व श्रद्धालु फ्रेण्डली बनाया गया। इन सबके प्रचार–प्रसार का नोडल विभाग सूचना विभाग बनाया गया और सूचना विभाग ने कुशलतापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

प्रदेश सरकार द्वारा कुम्भ का लोगो बनवाया गया और वहीं से विश्वव्यापी प्रचार–प्रसार का अभियान शुरू हुआ जो कुम्भ के बाद भी कुम्भ की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने के लिए सूचना विभाग द्वारा चलाया गया।

कुम्भ की ब्रांडिंग के लिए सामान्य प्रचार–प्रसार के अलावा 12 प्रकाशन कुम्भ के पहले किये गये। सूचना विभाग के सामयिक प्रकाशनों को भी कुम्भ से जोड़ते हुए प्रकाशित किया गया। इसके अतिरिक्त सबसे उल्लेखनीय प्रकाशन **कॉफीटेबल बुक 'मानवता की अमूर्त धरोहर कुम्भ–2019'** का प्रकाशन किया गया।

सूचना विभाग के लिए यह गौरव की बात है कि कॉफीटेबल बुक में लेखन का कार्य माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी किया है। यह कॉफीटेबल बुक विश्व के सभी देशों के राजदूतों, देश के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को भेंट की गयी और इस तरह प्रयागराज के **'दिव्य कुम्भ : भव्य कुम्भ'** की स्मृति अक्षुण्ण हुयी है। कुम्भ–2019 में व्यवस्थाओं के व्यापक प्रचार–प्रसार से कुम्भ भ्रमण व स्नान के लिए 24 करोड़ से अधिक

पर्यटक एवं श्रद्धालु प्रयागराज आये और यूनेस्को ने भी कुम्भ की व्यवस्थाओं और आयोजन से प्रभावित होकर इसे 'मानवता की अमूर्त धरोहर' के रूप में पूरे विश्व में स्थापित किया। यह सूचना विभाग द्वारा की गयी ब्रांडिंग की सफलता का प्रमाण है।

दीपावली का पर्व लोक जीवन से गहराई से जुड़ा है। इसका प्रचलन भगवान राम के लंका विजय के बाद अयोध्या पहुंचने पर हुए दीपोत्सव से सम्बन्धित है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इसीलिए अयोध्या में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया, जो प्रत्येक वर्ष एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसके प्रचार–प्रसार में भी सूचना विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इसी तरह मथुरा में रंगोत्सव, वाराणसी में गंगा आरती का भी प्रचार–प्रसार सूचना विभाग द्वारा किया गया।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने विश्व का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया, जिसके कारण प्रदेश में पहली बार 'प्रवासी भारतीय दिवस' वाराणसी में

आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न देशों के राजदूत, राष्ट्राध्यक्ष और पूंजी निवेशक उत्तर प्रदेश आये और यहाँ की पूंजी निवेश की क्षमताओं और विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम का भी देश–विदेश में प्रचार–प्रसार का दायित्व सूचना विभाग द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

उत्तर प्रदेश के अवसंरचनात्मक विकास में **पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे** मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस–वे होगा। इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्यक्रम की संकल्पना से लेकर इसके शिलान्यास और चरणबद्ध विकास की ब्रांडिंग सूचना विभाग द्वारा की जा रही है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने केन्द्र सरकार से उत्तर प्रदेश में डिफेन्स कॉरिडोर की स्थापना हेतु स्वीकृति प्राप्त की। इसके अलावा बुन्देलखण्ड के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा **बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे** का भी

निर्माण कराया जा रहा है, जो चित्रकूट से प्रारम्भ होकर इटावा में आगरा एक्सप्रेस–वे से जुड़ जायेगी, जिससे बुन्देलखण्ड क्षेत्र प्रदेश व देश की मुख्यधारा से जुड़ जायेगा और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर के साथ–साथ समृद्धि आयेगी। इस योजना के प्रचार–प्रसार का महत्वपूर्ण दायित्व भी सूचना विभाग ने ही निभाया।

उत्तर प्रदेश में पहली बार **डिफेन्स एक्सपो–2020** का आयोजन लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। डिफेन्स एक्सपो में देश–विदेश की रक्षा उत्पादन कम्पनियों के साथ ही सम्बन्धित देशों के रक्षा मंत्रियों एवं रक्षा विशेषज्ञों ने प्रतिभाग

किया। इस आयोजन से प्रदेश में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का पूंजी निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ जिससे 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मेक इन इण्डिया के लक्ष्य की तरफ यह एक महत्वपूर्ण कदम है। डिफेन्स एक्सपो–2020 की ब्रांडिंग का कार्य सूचना विभाग द्वारा किया गया।

वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान सूचना विभाग ने प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का प्रचार–प्रसार अत्यन्त प्रभावशाली ढंग से किया। लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में फंसे उत्तर प्रदेश के कामगारों एवं श्रमिकों के सहायतार्थ लगभग सभी राज्यों के प्रमुख समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अपील जारी की गयी। लॉकडाउन के दौरान प्रदेश के कामगारों एवं श्रमिकों की सुरक्षित घर वापसी, उनका स्वास्थ्य परीक्षण, भरण–पोषण व रोजगार से सम्बन्धित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया गया। कोविड जांच के लिए टेस्टिंग लैब्स, कोविड बेड, ट्रूनेट मशीन, वेंटीलेटर, पल्स ऑक्सीमीटर, पी.पी.ई. किट, मॉस्क व जीवन रक्षक दवाओं की समुचित व्यवस्था तथा कोविड

हेल्पलाइन नंबर, आयुष कवच एप आदि के सम्बन्ध में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। प्रतिदिन नियमित रूप से अपर मुख्य सचिव, सूचना द्वारा प्रेस–वार्ता के माध्यम से कोरोना से बचाव के लिए किए जा रहे उपायों आदि की जानकारी आम जनमानस को उपलब्ध करायी जा रही है।

उत्तर प्रदेश का कायाकल्प करने हेतु राज्य सरकार द्वारा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज वृक्षारोपण अभियान, गंगा–यात्रा, राज्य सरकार की योजनाओं जैसे–अविवादित वरासत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा कोष, गंगा एक्सप्रेस–वे परियोजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री गौ–संरक्षण कार्यक्रम, मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और विभिन्न विभागों की उपलब्धियों का प्रचार–प्रसार व्यापक रूप से कराया गया।

इसके साथ ही सूचना विभाग द्वारा केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत, स्वच्छता मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सिंचाई योजना, कौशल भारत योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण

ज्योति योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, प्रधानमंत्री जन–धन योजना, नमामि गंगे आदि फ्लैगशिप योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के लिए आज पुनः एक गौरव का अवसर है जब **एकात्म मानववाद एवं अन्त्योदय दर्शन** के प्रणेता, मां भारती के अनन्य उपासक, राष्ट्रवादी चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पावन जयन्ती के मंगल अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के शुभाशीष एवं गौरवमयी उपस्थिति में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश का मुख्यालय अपने पुराने भवन से स्थानान्तरित होकर नवनिर्मित भवन **'पंडित दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर'** में स्थापित हो रहा है।

नये भवन में नव लक्ष्यों एवं संकल्पों की नूतन ऊर्जा व उल्लास के साथ सूचना विभाग अपने दायित्वों का पूरे मनोयोग, निष्ठा से कुशलतापूर्वक निर्वहन करेगा। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए जनसंचार के अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जायेगा। सुव्यवस्थित, सुसज्जित व अधुनातन सुविधा सम्पन्न मुख्यालय से अन्त्योदय के लक्ष्य–प्राप्ति की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा।

***

कोविड–19 से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाये गये कदम

- विश्वव्यापी महामारी में उत्तर प्रदेश के लोगों की सुरक्षा का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रबन्ध।
- समुचित एवं त्वरित स्वास्थ्य प्रबन्धों से उत्तर प्रदेश में कोविड–19 से मृत्युदर देश और दुनिया की तुलना में न्यूनतम।
- सभी जिला चिकित्सालयों एवं मेडिकल कॉलेजों में वेंटीलेटर, ट्रूनैट मशीन, पीपीई किट्स तथा औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता।
- 234 टेस्टिंग लैब क्रियाशील
- टेस्टिंग क्षमता प्रतिदिन 1 लाख 50 हजार से अधिक।
- 1 लाख 51 हजार से अधिक कोविड बेड उपलब्धता।
- कोरोना जांच की डोर–टू–डोर व्यवस्था।
- नोएडा में 300, केजीएमयू में 320, गोरखपुर में 300 तथा गोण्डा में 160 बेड वाले कोविड अस्पताल संचालित।
- पूरे प्रदेश में 64 हजार 453 से अधिक कोविड हेल्प डेस्क स्थापित।
- अब तक 85 हजार 809 लोग ई–संजीवनी एप से लाभान्वित।
- सर्विलांस टीम द्वारा 24101016 घरों के 119823345 लोगों का सर्वेक्षण।
- प्रदेश में सबसे ज्यादा 2.51 करोड़ आरोग्य सेतु एप डाउनलोड। 1149328 लाख लोगों को अलर्ट किया गया।
- टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर **1070** पर प्राप्त 120004 कॉल्स में से 119573 कॉल्स का निस्तारण। 24 x 7 कोविड हेल्पलाइन नं. **1800-180-5145** क्रियाशील।
- अन्य प्रदेशों से 40 लाख से अधिक कामगारों, श्रमिकों एवं छात्रों की सुरक्षित एवं निःशुल्क घर वापसी की व्यवस्था।
- 36 लाख से अधिक कामगारों/श्रमिकों की स्किल मैपिंग।
- राशन, भरण–पोषण एवं रोजगार की व्यवस्था।

एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं, वंचित और शोषित वर्ग के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान का सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे ही साकार रूप देने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, गरीबों के घर में मुफ्त बिजली कनेक्शन, गरीब को अनाज जैसे काम इसका प्रमाण हैं।

– योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

पंडित दीनदयाल जी हमेशा हमारे प्रेरणा स्रोत रहेंगे। निस्वार्थ सेवा की भावना उनमें स्वाभाविक रूप से थी। उनका पूरा जीवन राष्ट्र और गरीबों की सेवा में समर्पित था। हमारी सरकार पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय के विचार या समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मुद्रक : प्रिन्टको प्रिन्टर्स, लखनऊ फोन : 0522–4105512